हिन्दुस्तान की

नई दिशाएं

www.livehindustan.com
25 मार्च, 2020 | वर्ष 09, अंक 12

₹1

MAGAZINE KING

कवर स्टोरी

इवेंट मैनेजमेंट

क्रिएटिविटी से रंग भरें करियर में

एजुकेशनल न्यूज

इग्नू से एमबीए और पीएचडी करने का मौका

तैयारी

कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेज परीक्षा-2020

नई दिशाएं

SK Technology 30

CLICK HERE

COVER STORY



इवेंट मैनेजमेंट पर यह लेख क्यों पढ़ें

पेज 04

किसी भी आयोजन की सफलता में इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की भूमिका उसके आयोजकों से कम नहीं होती। इसी कारण इवेंट मैनेजमेंट सशक्त करियर का रूप धारण कर चुका है। इसमें करियर कैसे बनाएं, यह इस लेख में पढ़ेंगे

ऑनलाइन कोर्स : आसानी से सीखेंगे लोगो डिजाइनिंग — पेज 06

कोर्स वॉच : बेकरी एंड कन्फेक्शनरी डिप्लोमा से करें शुरुआत — पेज 07

मौके : जूनियर इंजीनियरों के 1054 पद खाली — पेज 08

कामयाबी की कहानी : निखिल कुमार — पेज 09





इंस्टीट्यूट वॉच : एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के नामी संस्थान — पेज 11

एजुकेशनल न्यूज : जामिया यूनिवर्सिटी में प्रवेश का मौका — पेज 12

तैयारी : कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेज परीक्षा — पेज 13

ऑफबीट करियर : वुड टेक्नोलॉजी — पेज 15



मुद्रक तथा प्रकाशक राजीव बेओतरा द्वारा हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड (एच एम वी एल) के पक्ष में एच टी मीडिया लिमिटेड प्रेस, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा, जिला : गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 18-20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : शशि शेखर
कार्यकारी सम्पादक : जयंती रंगनाथन

दूरभाष : (011) 23361234, (0612) 2223434 सम्पादकीय : (011) 66561364, 66561263
प्रसार : (011) 66561111
विज्ञापन : (011) 66561442, 66561189
फैक्स : (011) 66561451, 66561270
आर.एन.आई. नं. BIHHIN/2012/48999

MAGAZINE KING

विंडोज 10 पर इंस्टाग्राम का वेब एप हुआ रिलीज



अभी तक तो इंस्टाग्राम सिर्फ एक मोबाइल एप के तौर पर ही नजर आता था और सारे फीचर भी मोबाइल एप को ध्यान में रखते हुए ही बनाए जाते थे, पर अब ऐसा लगता है कि यह बदल रहा है। इंस्टाग्राम ने माइक्रोसॉफ्ट स्टोर पर प्रोग्रेसिव वेब एप (पीडब्ल्यूए) निकाला है। यह नया वेब एप डायरेक्ट मैसेज जैसे बेहतरीन फीचर के साथ लाया गया है।

यह नया प्रोग्रेसिव वेब एप इंस्टाग्राम वेब प्लेटफॉर्म में कुछ बदलाव करने के लिए लॉन्च किया गया है। आपको यहां ये बता दें कि पीडब्ल्यूए वास्तविक तौर पर डेस्कटॉप एप नहीं है, पर यह इस तरह से डेवलप किया गया है कि यह विंडोज 10 एप की तरह ही लगे। इंस्टाग्राम पीडब्ल्यूए अब माइक्रोसॉफ्ट स्टोर पर विंडोज 10 के मौजूदा इंस्टाग्राम एप के एक अपडेट के रूप में उपलब्ध है, जिसका वर्जन 42.0.2.0 है। यह नया फीचर डायरेक्ट मैसेज के लिए मददगार है। यूजर डेस्कटॉप वर्जन में इसकी जरूरत महसूस कर रहे थे। हालांकि इंस्टाग्राम इस फीचर पर काम कर रहा था, पर इसे यूजर के लिए उपलब्ध कराने में थोड़ा ज्यादा समय लग गया।

पीडब्ल्यूए के आने का मतलब है कि डेस्कटॉप पर और भी नए फीचर लाए जा सकते हैं। थोड़ा पीछे जाया जाए तो हम पाएंगे कि इंस्टाग्राम ने एक और नया फीचर जोड़ा है, जहां आप अपने दोस्तों की स्टोरी पर भी भेज सकते हैं।

वॉट्सएप के प्राइवेट चैट ग्रुप कितने सुरक्षित

वॉट्सएप ग्रुप 'इन्वाइट टू ए ग्रुप वाया लिंक' फीचर के जरिये गूगल से लिंक हो जाते हैं। नतीजतन ये सभी ग्रुप इंटरनेट पर पब्लिक डोमेन में आ जाते हैं और तब इन तक कोई भी आसानी से पहुंच सकता है। इससे दूसरे यूजर को आपका ग्रुप जॉइन करने का एक्सेस मिल जाता है। रिपोर्ट की मानें तो यदि आप chat.whatsapp.com गूगल सर्च बार में टाइप करते हैं तो यह देखकर आप हैरान रह जाएंगे कि करीब 470,000 लिंक अपने ब्राउजर के साथ वहां उपलब्ध हैं।



इन लिंक के जरिये कोई भी बाहरी व्यक्ति आपके प्राइवेट ग्रुप का हिस्सा बन सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि एडमिन ने इन लिंक को जान बूझकर पब्लिक डोमेन में रखा हो। इनमें से कुछ ग्रुप एनजीओ या दूसरी कंपनी के हैं। कुछ लिंक में अवांछित चीजें होती हैं, क्योंकि इन ग्रुप के जरिये लिंक तक पहुंच आसान हो गई है। इसलिए गूगल ने इस विषय पर चिंता जाहिर की है। यदि एडमिन चाहे तो गूगल इन लिंक को सर्च बार में नजर आने से रोक सकता है।

हालांकि फेसबुक का दावा है कि वॉट्सएप सुरक्षित माध्यम है, लेकिन यदि आपका वॉट्सएप ग्रुप कहीं डिसक्लोज हो गया तो फिर कुछ नहीं कहा जा सकता कि आपका कंटेंट प्राइवेट रहा है या नहीं।

क्रोम डुएट मेन्यू एंड्रॉयड पर इनेबल करें



गूगल क्रोम का डुएट मेन्यू लगभग रोज ही बदलता और अपडेट होता रहता है। आसान भाषा में डुएट मेन्यू 'मेन्यू बार' ही है, जो अक्सर स्क्रीन पर नीचे की ओर नजर आता है। यह टैब स्विच की तरह ही होता है और इसमें सभी महत्वपूर्ण फीचर होते हैं। आपको यहां होम बटन, यूआरएल बार आदि मिल जाते हैं। वैसे तो यह डिसेबल ही रहता है, पर इसे इनेबल करना कठिन नहीं है। एंड्रॉयड यूजर को जब भी क्रोम फ्लैग में कुछ बदलना हो तब वे इसे इनेबल कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि इसे इनेबल कैसे किया जा सकता है-

सबसे पहले तो गूगल प्ले स्टोर पर जाकर क्रोम ब्राउजर को अपडेट करें। इसके बाद एप को ओपन करें। यूआरएल बार में chrome://flags टाइप करें। अब चारों फ्लैग पेज पर chrome: duet या Duet टाइप करें। क्रोम डुएट की ड्रॉप-डाउन लिस्ट में इनेबल को चुन लें। बदलाव करने के लिए 'रीलॉन्च नाउ' बटन को क्लिक करें। रीस्टार्ट करने के बाद आपको नई डुएट बार नजर आने लगेगी। अब यदि आप इसे डिसेबल करना चाहते हैं तो ड्रॉप-डाउन मेन्यू में डिसेबल के विकल्प को चुन लें और ब्राउजर को रीस्टार्ट कर लें।

यह वह आम तरीका है, जिससे आप नए डुएट मेन्यू को अपनी एंड्रॉयड डिवाइस पर आसानी से इनेबल या डिसेबल कर सकते हैं।



MAGAZINE KING



इवेंट मैनेजमेंट

क्रिएटिविटी से रंग भरें करियर में

किसी भी आयोजन की सफलता का पूरा दारोमदार इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और उसके आयोजकों पर होता है। यही कारण है कि इवेंट मैनेजमेंट एक सशक्त करियर का रूप धारण कर चुका है। इस बारे में बता रहे हैं संजीव कुमार सिंह

नई दिल्ली में हुआ ऑटो एक्सपो हो या लखनऊ में आयोजित डिफेंस एक्सपो, इन आयोजनों ने लोगों के मन-मस्तिष्क पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इसके अलावा खेलकूद के प्रमुख आयोजन हों या शादी-विवाह, बर्थडे पार्टी, फैशन शो, थीम पार्टी, प्रोडक्ट लॉन्चिंग, सेमिनार, प्रदर्शनी या प्रीमियर, इस दौरान स्टेज पर कलाकारों की जुगलबंदी, उसकी साज-सज्जा तथा मेहमानों का स्वागत करने का अंदाज हर किसी के मन को भाता है। ये कार्यक्रम अचानक और अपने आप ही दर्शनीय व यादगार नहीं बन जाते, बल्कि इनके पीछे एक खास ग्रुप की हफ्तों-महीनों की मेहनत छिपी होती है।

दरअसल आजकल की व्यस्तता भरी जिंदगी के चलते लोगों के पास इतना वक्त नहीं होता कि वे अपने किसी आयोजन का भी सारा जिम्मा खुद संभाल सकें। इसकी बजाय किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की सेवा लेकर व थोड़ा-सा अतिरिक्त खर्च कर आयोजन को आकर्षक बना लेना और खुद भागदौड़ करने से बच जाना ज्यादा फायदेमंद समझा जाने लगा है। इसी कारण इवेंट मैनेजमेंट का दायरा शहरों से होता हुआ गांव-कस्बों तक पहुंच चुका है। इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजनों का जिम्मा संभालने लगी हैं। सेलिब्रिटीज अब छोटे-छोटे शहरों में पहुंचकर प्रोडक्ट की लॉन्चिंग से लेकर खेलों का उद्घाटन या समापन करने लगे हैं। कहना न होगा लगातार बढ़ रही इस लोकप्रियता के कारण इवेंट मैनेजमेंट अब एक ग्लैमरस करियर का रूप ले चुका है। एक आकर्षक पेशे के रूप में यह भारत में अपनी जड़ें जमा चुका है। युवा तेजी से इस प्रोफेशन की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

उम्मीद जता रही है इंडस्ट्री

आजकल सामाजिक, शैक्षिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक से लेकर प्रदर्शनियों और मेलों तक तमाम तरह के आयोजन बड़े पैमाने पर किए जाते हैं। शादी-विवाह, जन्मदिन की पार्टी और मनोरजंन के कार्यक्रम भी इनमें शामिल हैं। इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल के अंत और अगले साल की शुरुआत तक इंडियन इवेंट इंडस्ट्री के 10,000 करोड़ रुपये तक का हो जाने की संभावना है। यह बढ़ोतरी, जाहिर है बहुत लोगों के लिए रोजगार के मौके पैदा करेगी। जबकि 1990 के दशक तक यह इंडस्ट्री लगभग 20 करोड़ रुपये की ही थी। वर्तमान में देखा जाए तो डेढ़ दशक पहले शुरू हुए इस करियर में सालाना 100 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली, मुंबई, जयपुर, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता व चंडीगढ़ जैसे महानगरों में पांच हजार से अधिक बड़ी इवेंट कंपनियां काम कर रही हैं। जबकि छोटी कंपनियों की कोई गिनती ही नहीं है।

किस तरह के हैं कोर्स

- बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट
- एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट
- एमए इन पीआर एंड इवेंट मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एग्जीबिशन मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन फैशन इवेंट मैनेजमेंट

कुछ जरूरी बातें

- भव्य आयोजनों पर बनती है अलग पहचान
- हर पल कुछ नया सीखने का अवसर
- काम की सफलता पर आमदनी अधिक
- आयोजन के दौरान भागदौड़ और तनाव अधिक
- जरा सी लापरवाही से होता है बड़ा नुकसान
- क्लाइंट को संतुष्ट कर पाना बड़ी चुनौती

इस रूप में मिलेंगे अवसर

- इवेंट आर्गेनाइजर
- इवेंट प्लानर
- इवेंट मार्केटिंग मैनेजर
- इवेंट कोऑर्डिनेटर
- इवेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर
- कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव
- स्टेज डेकोरेटर
- वेडिंग प्लानर



प्रमुख संस्थान

- नेशनल एकेडमी ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एंड डेवलॅपमेंट (कई शाखाएं मौजूद)
  वेबसाइट- www.naemd.com
- इंडियन इंस्टीटट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एडवांस डेवलपमेंट
  वेबसाइट- www.inlead.in
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट
  वेबसाइट- www.niemindia.com
- ईएमडीआई : इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन
  वेबसाइट- emdiworld.com

एक्सपर्ट व्यू

आज सेलिब्रिटी मैनेजमेंट का कॉन्सेप्ट प्रचलन में है। हर इवेंट में कुछ न कुछ विविधता रहती है इसलिए धैर्यपूर्वक सारी व्यवस्थाओं का संचालन तथा क्लाइंट से संवाद बनाए रखना ही एक अच्छे इवेंट मैनेजर की पहचान होती है। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि इसमें लगभग सभी काम थर्ड पार्टी से करानी होती है। जो कई बार आपकी अपेक्षा पर खरे नहीं उतरते और क्लाइंट पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हो पाते। समय के साथ क्लाइंट की मांग भी बढ़ती और बदलती जा रही है। छात्रों को इंटर्नशिप कर सीखने पर केंद्रित रहना चाहिए।

– **वी. कृतिका कृष्णा**, करियर काउंसलर

किस तरह का है कार्य

इवेंट मैनेजमेंट की मूल रूप से दो शाखाएं हैं। पहली शाखा है लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, जिसमें समारोह स्थल, सिलेब्रिटी, दर्शकों, कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार आदि का प्रबंधन शामिल है। दूसरी शाखा मार्केटिंग से संबंधित है, जिसमें बजट बनाना, क्लाइंट से मंजूरी लेना, प्रायोजक की तलाश करना आदि शामिल है। इवेंट मैनेजमेंट काफी हद तक मार्केटिंग और एडवर्टाइजिंग से जुड़ा हुआ है। किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी से क्लाइंट यही उम्मीद करता है कि वह उसकी जरूरतों और लक्ष्यों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाएगी। कंपनी भी उसी मुताबिक थीम और कार्यक्रम की योजना बनाकर सरकारी विभागों से अनुमति हासिल करती है। समारोह स्थल की सजावट, निमंत्रण-पत्र, रोशनी की व्यवस्था, फूल-मालाओं का चयन, वीडियोग्राफी, सुरक्षा का प्रबंध भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होता है।

कब कर सकेंगे कोर्स

इवेंट मैनेजमेंट ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कोर्स के साथ-साथ अन्य कई तरह के कौशल की जरूरत होती है। इसलिए ऐसे छात्र, जिन्होंने ग्रेजुएशन कर लिया हो और जो रचनात्मक रुझान रखते हों वे आसानी से इस पेशे से जुड़ सकते हैं। इसमें सर्टिफिकेट से लेकर मास्टर तक के कोर्स मौजूद हैं। बारहवीं के बाद बैचलर कोर्स में दाखिला मिलता है। डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स स्नातक के बाद किए जा सकते हैं। स्नातक के बाद एमबीए में दाखिला ले सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि स्नातक के बाद ही इस क्षेत्र में कदम रखना छात्रों के लिए अधिक उपयोगी होगा। दरअसल स्नातक के बाद छात्रों में परिपक्वता आ जाती है और वे कठिन परिस्थितियों में भी बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

कोर्स से जुड़ी जानकारी

इसमें कोर्स के दौरान थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल जानकारी भी दी जाती है। अंतिम सेमेस्टर के दौरान इंटर्नशिप की भी व्यवस्था है। इसके बैचलर व मास्टर कोर्स के सिलेबस में इवेंट मार्केटिंग, पब्लिक रिलेशन तथा स्पॉन्सरशिप, इवेंट कोऑर्डिनेशन, इवेंट प्लानिंग, इवेंट टीम रिलेशनशिप, इवेंट रिस्क मैनेजमेंट, क्रॉस कल्चर मैनेजमेंट, इवेंट टॉपिक व कम्युनिकेशन, इवेंट अकाउंटिंग की सैद्धांतिक व व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाती है। एमबीए सरीखे कोर्स में सेलिब्रिटीज मैनेजमेंट, स्टेज मैनेजमेंट, ब्रांड मैनेजमेंट आदि टॉपिक शामिल किए गए हैं।

कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल जरूरी

यह ऐसा प्रोफेशन है, जिसमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग के कौशल की हर कदम पर जरूरत पड़ती है। नेटवर्क जितना अधिक मजबूत होगा, काम उतना ही अधिक आपको मिलेगा। कम्युनिकेशन चैनल खुला रखने पर आगे कोई दिक्कत नहीं आएगी। इसके अलावा आपमें टीम वर्क करने, टीम को नेतृत्व प्रदान करने का गुण होना चाहिए। मेहनती और धैर्यवान होना भी जरूरी है। काम के दौरान संभावित प्रतिकूल स्थितियों को संभालने भी आना चाहिए। इस काम में भागदौड़ अधिक करनी पड़ती है। इसलिए शारीरिक रूप से फिट होना भी जरूरी है।

रोजगार के पर्याप्त स्वरूप

अब छोटे शहरों में भी इवेंट मैनेजमेंट की मांग बढ़ रही है। इसको ध्यान में रखते हुए इवेंट कंपनियां वहां अपने सेटअप लगा रही हैं। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद प्रोफेशनल को ज्यादातर इवेंट व सेलिब्रिटी मैनेजमेंट कंपनी, विज्ञापन एजेंसी, मूवी व सीरियल प्रोडक्शन हाउस, न्यूजपेपर, रेडियो, टीवी चैनल, पब्लिकेशन हाउस, म्यूजिक, ट्रवेल एवं टूरिज्म कंपनी में काम मिलता है। अब तो कारपोरेट व मल्टीनेशनल कंपनियां बाकायदा इवेंट मैनेजर नियुक्त करने लगी हैं।

आकर्षक सेलरी पैकेज

शुरुआती दौर में प्रोफेशनल को 25-30 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है। तीन-चार साल के अनुभव के बाद यही राशि 40-50 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। आयोजन जितना बड़ा होता है, कमाई भी उतनी ही अधिक होती है। यदि प्रोफेशनल किसी कारपोरेट अथवा मल्टीनेशनल कंपनी में है तो यह राशि और अधिक हो जाती है।

आसानी से सीखेंगे लोगो डिजाइनिंग

व्यापार करने के लिए लोग अपना विजिटिंग कार्ड, विज्ञापन आदि बनवाते हैं, जिनमें उनकी कंपनी का लोगो छपा होता है। यह लोगो उस कंपनी या व्यापार की पहचान और प्रतीक होता है, जिसे ग्राफिक डिजाइनर से तैयार कर पेटेंट कराया जाता है। लोगो बनाना आप ऑनलाइन सीख सकते हैं। कैसे, बता रही हैं **स्वाति शर्मा**



MAGAZINE KING

विज्ञापनों ने विजुअल कम्युनिकेशन में अपना मजबूत स्थान बना रखा है। विज्ञापन किस कंपनी का है, इसकी पहचान उसमें मौजूद 'लोगो' अर्थात प्रतीक चिह्न से होती है। लोगो बनाना एक कला है। यह ग्राफिक डिजाइनिंग से जुड़ा विषय है। इसमें माहिर होने के लिए आपके पास रचनात्मकता के साथ-साथ लोगो बनाने संबंधी तकनीकी जानकारी भी होनी चाहिए। दरअसल रचनात्मकता और तकनीकी कौशल के बेहतरीन तालमेल के बिना कोई भी बेहतर लोगो-कलाकार नहीं बन सकता। आप इंटरनेट पर मौजूद निःशुल्क कोर्स करके यह क्षमता हासिल कर सकते हैं। कुछ ही घंटों का यह कोर्स पूरा कर आप ग्राफिक डिजाइनिंग की दुनिया में कदम रख सकते हैं।

क्या सीखेंगे

करीब साढ़े सात घंटे का ऑनलाइन कोर्स पूरा कर लेने के बाद आप व्यावसायिक लोगो तैयार करने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। लोगो तैयार करने में आप अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल करना भी सीखेंगे। ये आपको दूसरों से जुदा और खूबसूरत लोगो तैयार करने में मदद करेगा। किसी क्लाइंट के लिए लोगो बनाते वक्त उसकी पसंद और अपनी रचनात्मकता के बीच तालमेल बनाना जरूरी होता है। इस कोर्स में आप यह तालमेल स्थापित करना सीख सकेंगे। इसमें लोगो डिजाइनिंग में इस्तेमाल होने वाली नई तकनीकों के बारे में भी बताया जाएगा, जिन्हें आप अपने काम का हिस्सा बना पाएंगे। कोर्स पूरा करने के बाद आप शब्दों और अक्षरों को अलहदा और खूबसूरत रूप देने, आकृतियों और रूपाकारों का सही इस्तेमाल करने और इन सबके जरिये अनूठे लोगो बनाने के लिए जरूरी कौशल सीख जाएंगे।

किसके लिए है ये कोर्स

अगर आप डीटीपी डिजाइनिंग सीखना चाहते हैं तो यह कोर्स आपके कार्य और हुनर में इजाफा करेगा। लोगो डिजाइनिंग सीखकर आप खुद के लिए रोजगार विकल्प तैयार कर सकते हैं। कोर्स एडवांस लेवल का है, इसलिए इसको करने के लिए आपको इलेस्ट्रेटर की जानकारी होना आवश्यक है।

ये है सिलेबस

कोर्स में पाठ्य सामग्री के साथ वीडियो भी है। इसमें लोगो डिजाइनिंग में आने वाले चरण क्रमशः समझाए जाते हैं। हालांकि सिलेबस किसी निर्धारित पैटर्न पर नहीं है, पर कोर्स छह मुख्य बिंदुओं पर आधारित है। ये बिंदु हैं : चूजिंग द राइट टाइप फेस, डिजाइनिंग विद सिंपल शेप्स, ऐडिंग शाइन, टेक्सचर, बीवेल्ड ऐजेस एंड ट्रांसपेरेंसी, डिजाइनिंग विद निगेटिव स्पेस, चूजिंग लोगो कलर्स और प्रिपेयरिंग फाइनल फाइल्स। कोर्स में ऑन डिमांड वीडियो हैं, जिनमें न्यूरो, मैक्रो, क्रीज, कलर, ऑर्गन, थ्री डी, ग्लास, एयर जैसे विभिन्न प्रकार के लोगो बनाने की जानकारी दी गई है।

कैसे होगी पढ़ाई

यह कोर्स आप कभी भी कर सकते हैं। इसमें दाखिला लेने के लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। इसके लिए आपको दिए गए लिंक पर जाकर एनरोलमेंट फॉर्म भरना होगा। कोर्स में एडोब इलेस्ट्रेटर सीसी वर्जन का इस्तेमाल किया गया है। कोर्स में करीब 45 लेक्चर और ढाई घंटों का कंटेंट शामिल है। इसमें कुल साढ़े सात घंटों के ऑन डिमांड वीडियो भी शामिल हैं। इनके अलावा ट्यूटोरियल डाउनलोड करने की सुविधा भी दी गई है। यानी आप अपनी सहूलियत के अनुसार पढ़ाई कर सकेंगे।

कोर्स : प्रोफेशनल लोगो डिजाइनिंग इन एडोब इलेस्ट्रेटर

शुरू होने की तारीख: कोर्स आप कभी भी शुरू कर सकते हैं।
अवधि: 7.5 घंटे
कोर्स का शुल्क: निःशुल्क

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
:https://bit.ly/2VP1KR7

बेकरी एंड कन्फेक्शनरी डिप्लोमा से करें शुरुआत

बढ़ते शहरीकरण और जीवन-स्तर में उन्नति के साथ लोगों के खानपान की आदतों में बदलाव के कारण खाद्य उत्पादों की मांग में कई तरह के नए ट्रेंड देखे जा सकते हैं। ऑफिस हो या घर, किसी भी जगह आजकल आयोजित की जाने वाली छोटी-बड़ी पार्टियों में केक, बिस्किट, ब्रेड, रोल, कुकीज, पाई, पेस्ट्री, मफिन आदि कितने ही बेकरी और कन्फेक्शनरी उत्पादों को पेश किए जाने का चलन बढ़ गया है। बर्थ डे, वेलेंटाइन डे सहित विभिन्न प्रकार के खास अवसरों पर केक काटना आम चलन बन चुका है।

चुनौतियां

- प्राइवेट सेक्टर में जॉब
- शुरुआती वेतन अत्यंत कम
- कुछ नया करने पर ही इंडस्ट्री में बने रह पाना संभव

क्या है बेकरी एवं कन्फेक्शनरी

बेकरी या नानबाई व्यवसाय बुनियादी तौर पर गेहूं के आटे अथवा मैदा से ओवन में बिस्किट, केक और ऐसे ही अनेक खाद्य उत्पाद तैयार करने से संबंधित है। जबकि चीनी आधारित चॉकलेट, टॉफी और ऐसे अन्य उत्पादों का निर्माण कन्फेक्शनरी के तहत आता है। पश्चिमी देशों में ऐसे उत्पाद खूब पसंद किए जाते हैं। वहां ये उत्पाद आम जनजीवन के खानपान में प्रमुखता से शामिल हैं। अब भारत में भी ऐसे उत्पादों के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है, नतीजतन मांग भी बढ़ती जा रही है। इसलिए इस कला में माहिर लोगों की मांग में कमी आने की कोई संभावना नहीं है।

प्रशिक्षण

बारहवीं के बाद इस एक से डेढ़ वर्षीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में दाखिला लिया जा सकता है। कोर्स के दौरान बेकरी उत्पाद तैयार करने से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं के अलावा सैद्धांतिक आयाम पर भी पर्याप्त जानकारी दी जाती है। अगर सिलेबस पर नजर डालें तो इसमें इस इंडस्ट्री में प्रयोग किए जाने वाले कच्चे माल, बेसिक नॉलेज ऑफ हीटिंग/बेकिंग, फ्रीजिंग, चॉकलेट/केक/कपकेक/डोनट मेकिंग आदि के महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचित करवाया जाता है। कोर्स की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि संस्थान में इस विधा के लिए उपयोगी समस्त उपकरणों का इस्तेमाल करने पर भी जोर दिया जाता है, ताकि युवा बेकरी व्यवसाय में पूरे आत्मविश्वास के साथ काम कर सकें। ट्रेनिंग के दौरान भावी उपभोक्ताओं को उनकी पसंद के अनुसार ऐसे उत्पादों का चयन करने अथवा तैयार करने में मार्गदर्शन करने के गुर भी सिखाए जाते हैं। कोर्स के दौरान संस्थान ट्रेनी को इंटर्नशिप पर भेजते हैं, ताकि इस व्यवसाय के व्यावहारिक पहलुओं से वे समय रहते परिचित हो सकें। इसके बाद एडवांस ट्रेनिंग के बारे में सोचा जा सकता है।

जॉब

ये शेफ, बेकरी विशेषज्ञ, कन्फेक्शनरी आइटम्स मेन्युफेक्चरर आदि के तौर पर फाइव स्टार होटलों से लेकर बेकरी एवं कन्फेक्शनरी स्टोरों तक में जॉब हासिल कर सकते हैं। बाद में ये अत्यंत कम पूंजी में अपनी बेकरी यूनिट की शुरुआत कर सकते हैं तथा अन्य युवाओं को जॉब भी दे सकते हैं। दूसरे शब्दों में, इनके लिए स्वरोजगार के अवसर भी कुछ कम नहीं होते हैं। पारंगत होने पर विदेशी होटल समूहों, क्रूज क्लबों, रेस्तरां, कॉफी चेन आदि में जॉब के अवसर मिलने में भी कोई मुश्किल नहीं आती।

कौशल

- पाक कला में दिलचस्पी
- विभिन्न बेकरी उत्पादों के स्वादों और उनमें अंतर की पहचान
- धैर्यवान होना, क्योंकि बेकरी उत्पादों को तैयार करने में काफी समय लगता है।
- लोगों के बदलते जायके की समझ और मांग के अनुसार नए बेकरी और कन्फेक्शनरी उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण लेने के लिए तत्परता
- नए उत्पादों का सृजन करने की मानसिकता



प्रमुख संस्थान

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी (पर्यटन मंत्रालय,भारत सरकार) द्वारा देश भर में संचालित फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (अजमेर, अलीगढ़, दार्जिलिंग, पाली, खजुराहो , होशियारपुर, धर्मशाला ,जम्मू, रीवा आदि) में उपलब्ध डिप्लोमा इन बेकरी एंड कन्फेक्शनरी कोर्स

वेबसाइट- http://nchm.nic.in/node/195

गुरुमंत्र

यह काम रूटीन बेकरी उत्पाद बनाने तक ही सीमित नहीं है। युवाओं की पसंद के अनुसार नए फ्लेवर और स्वाद विकसित करना भी ऐसे प्रोफेशनल के लिए अत्यंत जरूरी है। तभी उनकी पहचान बन सकती है। इस व्यवसाय में काफी प्रतिस्पर्धा है और यहां पर नया कुछ कर दिखाने की चुनौती का सफलतापूर्वक मुकाबला करना ही सफलता के नए द्वार खोलता है। इसलिए इंटरनेट, यूट्यूब आदि के माध्यम से अपने हुनर को निखारने का हरसंभव प्रयास हमेशा जारी रखना चाहिए।

अशोक सिंह, करियर कंसल्टेंट

MAGAZINE KING



एग्रीकल्चर कोर्स में नामांकन के साथ इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए उपयोगी जानकारी दी जा रही है आज के अंक में। इसके साथ ही जीसैट-30 और सूरज की रोशनी के बारे में रोचक जानकारियों से रूबरू करा रहे हैं
परितोष राज

वेबसर्च

https://icar.nta.nic.in

- इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) ने एग्रीकल्चर कोर्स में नामांकन के लिए आईसीएआर ऑल इंडिया एंट्रेंस एग्जामिनेशन के लिए आवेदन मंगाए हैं।
- एआईईईए के तहत देश के प्रतिष्ठित एग्रीकल्चरल कॉलेजों में बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री और पीएचडी कोर्स में दाखिला होगा। देश भर में 1 जून 2020 को होने वाले एंट्रेस एग्जामिनेशन के लिए 31 मार्च 2020 तक आवेदन किया जा सकता है।
- न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ बारहवीं उत्तीर्ण कर चुके या बारहवीं की परीक्षा में शामिल हो रहे छात्र दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आईसीएआर एआईईईए में शामिल होने वाले आवेदकों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 16 वर्ष निर्धारित की गई है। आवेदकों का चयन ऑनलाइन टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। आवेदन केवल ऑनलाइन होंगे। आवेदन करने के लिए संस्थान की वेबसाइट पर विजिट करें।

मोबाइल एप

JEE Mains & JEE Advance 2020 Exam

- आईआईटी और देश के तमाम इंजीनियरिंग कॉलेज में नामांकन के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारी में ये एप्लिकेशन काफी मददगार साबित हो सकता है।
- इस एप्लिकेशन में इंजीनियरिंग एंट्रेंस के सिलेबस पर आधारित फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स की तैयारी के लिए उपयोगी जानकारी दी गई है।
- एप्लिकेशन प्रैक्टिस सेट्स और उसके हल दिए गए हैं, जो छात्रों की तैयारी में काफी मदद करेगा।
- पिछले सालों में पूछे गए प्रश्न और उसके हल भी छात्र यहां पर देख सकते हैं।
- परीक्षा के दौरान कैसे ज्यादा से ज्यादा सवालों का सही से जवाब दिया जाए, इसके लिए भी उपयोगी जानकारी है इस एप्लिकेशन में।
- प्रवेश परीक्षा में सफलता के लिए भी कई ट्रिक्स बताए गए हैं। इनका इस्तेमाल करके छात्र अपनी सफलता की राह को आसान कर सकते हैं।

MAGAZINE KING

तस्वीर में खबर

इंटरनेट स्पीड बढ़ाएगा जीसैट-30



भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में संचार उपग्रह जीसैट-30 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस उपग्रह को फ्रांस के फ्रेंच गुएना स्थित कोरोउ द्वीप से यूरोपियन हेवी रॉकेट एरियन-5 से छोड़ा गया। यह इसरो का 2020 का पहला मिशन है। इस सैटेलाइट का वजन करीब 3100 किलोग्राम है और यह 15 सालों तक काम करता रहेगा। इसे जियो-इलिप्टिकल ऑर्बिट में स्थापित किया गया है। इसमें दो सोलर पैनल और बैटरी है, जिससे इसे ऊर्जा मिलेगी। जीसैट-30 सैटेलाइट इंसेट-4ए की जगह लेगा। इससे भारत की संचार सेवाएं बेहतर होंगी। इंटरनेट की स्पीड बढ़ेगी और उन क्षेत्रों में भी मोबाइल सेवाएं पहुंच जाएंगी, जहां अभी तक नहीं थी। सैटेलाइट का इस्तेमाल वीसैट नेटवर्क, टेलीविजन अपलिंकिंग, टेलीपोर्ट सेवाएं, डिजिटल सैटलाइट खबर संग्रहण (डीएसएनजी), डीटीएच टेलीविजन सेवाओं के साथ जलवायु परिवर्तन को समझने और मौसम की भविष्यवाणी करने के लिए किया जाएगा।

मौके

1054 जूनियर इंजीनियरों की रिक्तियां

- राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग ने जूनियर इंजीनियर के 1054 से ज्यादा पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।
- एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त किसी संस्थान से सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा जरूरी है।
- इसके साथ ही देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान और राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान भी जरूरी है।
- आवेदन के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित श्रेणी के आवेदकों को नियमानुसार छूट दी जाएगी। आयु सीमा की गणना 1 जनवरी 2021 के आधार पर की जाएगी।
- चयनित आवेदकों की नियुक्ति पे मैट्रिक्स लेवल 10 पर की जाएगी। आवेदन के लिए www.rsmssb.rajasthan.gov.in पर क्लिक करें। आवेदन की अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2020 है।

निखिल कुमार
कामयाबी की कहानी

तीन हफ्ते में तैयार किया एप्लिकेशन

भारतीय युवा लगभग हर क्षेत्र में अच्छा कर रहे हैं, कई ऐसे युवा हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और सूझ-बूझ के दम पर दुनिया में भारत का परचम लहराने का काम किया है। फोर्ब्स ने 30 साल से कम उम्र के 30 सफल भारतीयों की एक सूची (30 अंडर 30) जारी की है। इसी सूची में एक नाम है युवा एंटरप्रिन्योर **निखिल कुमार**



- 29 साल के निखिल सेतु कंपनी के को-फाउंडर हैं और उनकी टीम ने महज तीन सप्ताह में भीम एप्लिकेशन को पूरी तरह बनाकर सरकार को पेश किया था।
- नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद ऐसे मोबाइल एप की मांग हुई, जो किसी भी बैंक से किसी को भी पैसा भेज सके। सरकार के निर्देश पर निखिल ने भीम एप बनाया।
- कुछ ही दिनों में यह देश में सबसे अधिक फ्री डाउनलोड करने वाला एप बन गया। यूपीआई पर यह तुरंत पेमेंट की सुविधा देता है।
- नोटबंदी से एक साल पहले निखिल अपनी टीम के साथ बैंकों और स्टार्टअप्स जैसे फ्रीचार्ज और फ्लिपकार्ट के पास जाकर यूपीआई को बढ़ावा देने के लिए अपने आइडिया पर भीम जैसे एप बनाने का प्रस्ताव लेकर गए थे, लेकिन उस समय उनके आइडिया को किसी ने तवज्जो नहीं दी। नोटबंदी के बाद उनका यही आइडिया काम आ गया और आज के समय में यह एप एक बेहतरीन पेमेंट एप बन गया है।
- कर्नाटक के कोलार से ताल्लुक रखने वाले निखिल अपने स्टार्टअप 'सेतु' से पहले आधार कार्ड के लिए नंदन नीलेकणि के साथ काम कर चुके थे। इसके अलावा वह कुछ अन्य बड़ी कंपनियों में भी काम कर चुके हैं। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के निखिल हमेशा से ही कुछ नया डेवलप करने के बारे में सोचते थे, जिसका नतीजा भीम एप के रूप में लोगों के सामने आया।
- निखिल का मानना है कि हमेशा कुछ न कुछ नया करने की कोशिश करनी चाहिए। अपने आइडिया पर बेहतरीन तरीके से काम करने पर कामयाबी हर हाल में मिलती है, भले ही इसमें कई बार थोड़ा समय लग सकता है।

MAGAZINE KING

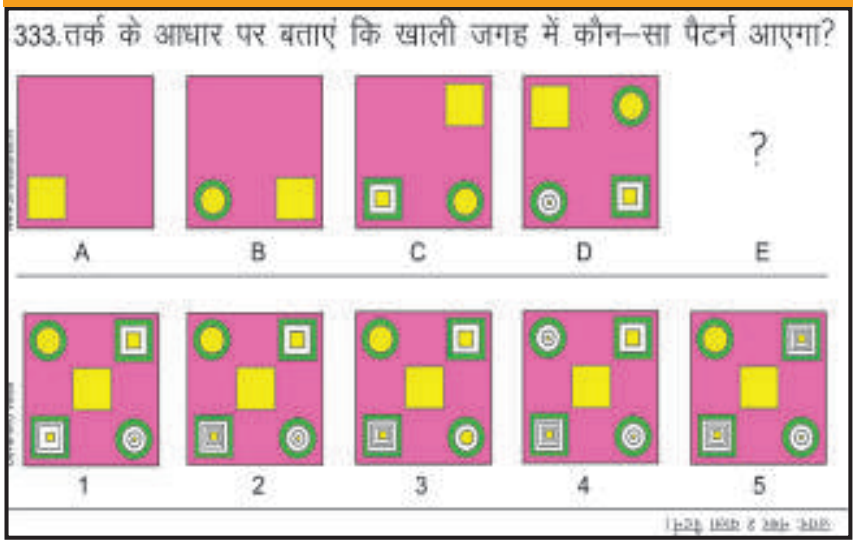
जनरल नॉलेज

सूरज का रंग कैसा?

- आपने सूरज की रोशनी पर गौर किया होगा, तो देखा होगा कि सूरज पूरे दिन में कई रंग बदलता है। यह सुबह और शाम के समय लाल दिखाई देता है और दोपहर के समय पीला दिखाई देता है। आखिर सूरज का रंग कैसा होता है?
- आपको शायद विश्वास न हो पर सूरज का रंग असल में सफेद है।
- अब मन में यह विचार जरूर आता होगा कि सूरज का रंग हमें पीला क्यों नजर आता है? दरअसल हमारे हमारे वायुमंडल की वजह से सूरज हमें पीला नजर आता है।
- हमारी धरती पर जो प्रकाश पहुंचता है, वह छोटे-छोटे कण यानी फोटोन के रूप में धरती तक पहुंचता है। ये फोटोन नीले, इंडिगो और बैंगनी रंग के होते हैं और जब ये फोटोन हमारे वायुमंडल में प्रवेश करते हैं तो बिखर जाते हैं, लेकिन लाल, नारंगी और पीले रंग बहुत कम बिखरते हैं।
- दिन के समय पीला रंग सबसे कम बिखरता है, इसलिए हमें दिन में सूरज पीला नजर आता है, जबकि सूरज का वास्तविक रंग सफेद होता है।

माइंड गेम

333. तर्क के आधार पर बताएं कि खाली जगह में कौन-सा पैटर्न आएगा?



अंकयोग – 387

8	2			3	24
		7	9		26
9				8	28
	1		7		18
5		3		1	23
25	16	25	32	21	26

अंकयोग 388 का उत्तर

9	1	2	5	4	21
6	5	4	1	2	18
1	2	3	6	5	17
8	7	5	4	1	25
2	5	4	1	3	15
26	20	18	17	15	24

खेलने के नियम

इस पहेली में आपको सफेद रिक्त खानों में सही अंक भरने हैं। रंगीन खानों में लिखे अंक सफेद खानों के ऊपर से नीचे, बाएं से दाएं और तिरछे खानों के अंकों के योग हैं। सफेद खानों में आप 1 से 9 तक के अंक ही प्रयोग में ला सकते हैं। उत्तर अगले अंक में देखें।

एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग ने यह फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की है। 'अनेकता में एकता' की परिकल्पना को मजबूत बनाने के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में अपेक्षा है कि लोग एक-दूसरे राज्य की सभ्यता, संस्कृति, विरासत आदि से परिचित होंगे।

अंतिम तिथि
5 अप्रैल, 2020



योग्यता

- इसमें देश के सभी नागरिक हिस्सा ले सकते हैं।
- फोटो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर हो और उसमें साझीदार राज्य या केंद्रशासित क्षेत्र की पहचान दिख रही हो।
- उम्र, जेंडर और शिक्षा को लेकर इसमें किसी तरह की कोई बाध्यता नहीं है।
- मोबाइल से खींची गई तस्वीर भी भेजी जा सकती है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता अच्छी हो।

प्रारूप

- फोटो उसी राज्य या केंद्रशासित क्षेत्र का होना चाहिए, जो साझीदार राज्य हो। यानी जिस राज्य के आप नागरिक हैं, उसके साझीदार राज्य की पहचान बताने वाली तस्वीर ही भेजिए।
- साझीदार राज्य की सूची https://www.mygov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- तस्वीर जेपीजी और जेपीईजी फॉर्मेट में ही भेजना अनिवार्य होगा।
- यह मीडिया के किसी माध्यम में न छपी हो।
- तस्वीर पर कॉपीराइट आवेदक का ही होना चाहिए।

पुरस्कार

- पहले स्थान पर आने वाले फोटोग्राफर को पांच हजार रुपये नकद, दूसरे स्थान पर आने वाले को तीन हजार रुपये नकद और तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता को दो हजार रुपये नकद दिए जाएंगे।
- पांच सांत्वना पुरस्कार भी बांटे जाएंगे, जिसके तहत सभी को एक-एक हजार रुपये नकद मिलेंगे।
- सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे और उनके द्वारा भेजे गए फोटोग्राफ मीडिया, वेबसाइट आदि पर प्रकाशित किए जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन

- अपना आवेदन https://www.mygov.in वेबसाइट के माध्यम से भेजें।
- जिन आवेदकों ने इस वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उन्हें पहले यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी।
- एक आवेदक सिर्फ एक आवेदन करेगा। एक से अधिक आवेदन करने पर दावेदारी खारिज की जा सकती है।
- विजेताओं का चयन एक निर्णायक मंडल करेगा।

वेबसाइटः https://www.mygov.in

द फाउंटेनहेड निबंध लेखन प्रतियोगिता

आयन रैंड के उपन्यास 'द फाउंटेनहेड' पर आधारित यह निबंध प्रतियोगिता आयन रैंड इंस्टीट्यूट ने आयोजित की है।

अंतिम तिथि
28 मई, 2020

योग्यता

- यह एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसमें देश-दुनिया के सभी बच्चे भाग ले सकते हैं।
- आवेदक 11वीं या 12वीं वर्ग का विद्यार्थी हो।
- उम्र को लेकर इसमें किसी तरह की कोई शर्त नहीं है।
- आयन रैंड इंस्टीट्यूट के अधिकारी व कर्मचारी और उनके परिजन इसमें हिस्सा नहीं ले सकते हैं।

प्रारूप

- निबंध का विषय 'द फाउंटेनहेड' उपन्यास के इर्द-गिर्द रखा गया है। आयन रैंड इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर आप इसे देख सकते हैं।
- निबंध की भाषा अंग्रेजी होनी चाहिए और उसमें व्याकरण और वर्तनी की गलती स्वीकार्य नहीं होगी।
- लेख कम से कम 800 शब्द और अधिक से अधिक 1,600 शब्दों में लिखा होना चाहिए।
- यह कहीं से नकल करके न लिखा गया हो।

पुरस्कार

- प्रथम स्थान पाने वाले विजेता को 10,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 7.24 लाख रुपये), दूसरा स्थान पाने वाले कुल तीन विजेताओं को 2,500-2,500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.81 लाख रुपये) और तीसरा स्थान पाने वाले पांच विजेताओं को 500-500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 36 हजार रुपये) दिए जाएंगे।
- फाइनल में पहुंचने वाले अन्य 50 आवेदकों को भी 50-50 अमेरिकी डॉलर (लगभग 3,600 रुपये) दिए जाएंगे।
- सभी विजेताओं में सर्टिफिकेट भी बांटे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन

- ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरीके से आवेदन किए जा सकते हैं।
- ऑनलाइन आवेदन के लिए वेब लिंक इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर मौजूद है, जबकि ऑफलाइन माध्यम के तहत 'द फाउंटेनहेड निबंध प्रतियोगिता, आयन रैंड इंस्टीट्यूट, पी ओ बॉक्स 57044, इर्विन, सीए 92619-7044' पर निबंध भेजना होगा।
- आवेदन के साथ अपना नाम, ई-मेल एड्रेस, स्कूल/ कॉलेज का नाम-पता, निबंध का विषय आदि लिखकर जरूर भेजें।
- सिर्फ एक आवेदन ही मान्य है।
- विजेताओं के नामों की घोषणा जुलाई, 2020 तक कर दी जाएगी।

वेबसाइटः aynrand.org/students/essay-contests/#tab-3-the-fountainhead-overview

ऋचा झा

MAGAZINE KING

एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के नामी संस्थान



एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग यानी वह कोर्स, जिसमें पढ़ाई के बाद पर्यावरण के रखरखाव से जुड़े जानकार तैयार होते हैं। रोजगार के नजरिये से इन जानकारों की जरूरत हमेशा बनी रहती है। संबंधित संस्थानों के बारे में बता रही हैं चयनिका निगम

इकोलॉजिस्ट, बायोलॉजिस्ट, जियोलॉजिस्ट, वाटर ट्रीटमेंट टेक्नीशियन, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल आदि। ये वे प्रोफेशन हैं, जिनमें एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में पढ़ाई करने के बाद इसी क्षेत्र में काम करने का मौका मिलता है। यह एक ऐसा विषय है, जिसमें डिग्री कोर्सेज हैं। इस विषय के जानकारों को रिसर्च के क्षेत्र में काम मिलता है तो एनजीओ और कई सरकारी विभागों में भी इनकी नियुक्ति होती है। इस विषय में पीएचडी करके भी करियर में उन्नति मिल सकती है। आइए एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग से जुड़े बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानते हैं-

दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली

दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की स्थापना दिल्ली पॉलिटेक्निक के तौर पर साल 1941 में हुई थी। मकसद भारतीय उद्योग को प्रशिक्षित लोग मुहैया कराना था। तब संस्थान की ओर से जो डिप्लोमा दिया जाता था, उसे रोजगार के लिए डिग्री के स्तर का समझा जाता था। फिर 1952 में इस कॉलेज को दिल्ली विश्वविद्यालय की मान्यता मिल गई और यहां विधिवत डिग्री कोर्स भी शुरू हुए। जुलाई, 2009 में दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को एक एक्ट के तहत दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी माना गया। संस्थान ने 55 सालों तक कश्मीरी गेट के कैम्पस से काम करने के बाद 1996 में दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र से काम शुरू किया। हरियाली से भरपूर ये कैम्पस 164 एकड़ में फैला है।

फीसः एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में एमटेक करने के लिए पहले सेमेस्टर की फीस 1,66,000 रुपये है।

वेबसाइटः www.dtu.ac.in

MAGAZINE KING

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल की शुरुआत साल 1960 में हुई थी। तब यहां 120 छात्र और 7 टीचर हुआ करते थे। पर अब ये 650 एकड़ में बसा सुंदर संस्थान है। कैंपस में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पोस्ट ऑफिस, बच्चों के लिए स्कूल आदि भी बने हैं। इसके साथ फुटबॉल, टेबल टेनिस और बेडमिंटन खेलने की भी पूरी व्यवस्था है। इतना ही नहीं, इस संस्थान में हॉस्टल के लिए भी बड़ा क्षेत्र है। 2500 छात्रों के लिए जहां 7 हॉस्टल हैं, वहीं 900 छात्राओं के लिए 2 हॉस्टल बनाए गए हैं।

फीसः मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश से एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में एमटेक करने के लिए पहले सेमेस्टर की फीस 51,767 रुपये है।

वेबसाइटः http://www.manit.ac.in/history

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को लखनऊ में आमतौर पर इंजीनियरिंग कॉलेज ही कहा जाता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से मान्यता प्राप्त ये संस्थान 1984 में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्थापित किया गया था। शुरुआत में संस्थान की ओर से सिर्फ बीटेक के तीन प्रोग्राम में ही कोर्स कराए जाते थे। संस्थान का कैंपस 100 एकड़ में फैला है। यहां लड़कों के लिए 8 तो लड़कियों के लिए 3 हॉस्टल हैं।

फीसः इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में एमटेक करने के लिए पहले साल की फीस 73, 200 रुपये है।

वेबसाइटः https://www.ietlucknow.ac.in

हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश

साल 1921 में शुरू हुआ हरकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट साल दर साल अपनी छवि पक्की करता जा रहा है। साल 2016 में इसे हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी का दर्जा भी मिल चुका है। मगर सबसे पहले इसका नाम गवर्नमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट था, जिसको बाद में गवर्नमेंट टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट कहा गया। फिर असल में इसके नाम से हरकोर्ट बटलर 1926 में जुड़ा। फिलहाल 3 किलोमीटर में बसे संस्थान के 2 कैम्पस हैं। पहला 77 एकड़ में है तो दूसरा 271 एकड़ में है।

फीसः उत्तर प्रदेश से एन्वायर्नमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग में एमटेक करने के लिए पहले साल की फीस 1,20,000 रुपये है।

वेबसाइटः https://hbtu.ac.in

अन्य प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बॉम्बे, मुंबई
  वेबसाइट- www.iitb.ac.in
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
  वेबसाइट-http://www.iitb.ac.in
- स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
  वेबसाइट-www.upes.ac.in
- मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज
  वेबसाइट-www.mnnit.ac.in

टॉप आईआईटी और आईआईएम संस्थानों का नया प्लेटफॉर्म

एंटरप्रिन्योरशिप को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर लगातार आईआईटी और आईआईएम संस्थान मिलकर काम कर रहे हैं। इसी दिशा में अब कुछ आईआईटी और आईआईएम संस्थानों ने मिलकर एक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। जिसका नाम है iVEIN, जिसकी फुल फॉर्म है इनोवेशन वेंचरिंग एंड एंटरप्रिन्योरशिप इन इंडिया नेटवर्क। इसके संस्थापकों में आईआईएम कोलकाता, आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम कोझिकोड, आईआईटी मुंबई और आईआईटी मद्रास की फैकल्टी शामिल हैं। आईआईटी मद्रास के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के प्रोफेसर ए थिल्लई राजन इसके कॉर्डीनेटर हैं। सबसे पहला काम इस संस्था का होगा, इंडिया इनोवेशन, वेंचर एंड एंटरप्रिन्योरशिप रिपोर्ट 2020 पब्लिश करना, जिसकी थीम होगी 'क्रिएटिंग सक्सेसफुल वेंचर्स।'



MAGAZINE KING

तो खत्म हो जाएगा यूनिवर्सिटीज में एग्जाम का सिस्टम

यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानी यूजीसी एक नया प्रयोग करने का मन बना रही है। अगर यह योजना कामयाब रही तो यह मान कर चलिए कि आने वाली पीढ़ियां शायद परीक्षा देने के झंझट से मुक्ति पा जाएं। अभी तक जो असेसमेंट होता है, वह यूनिट टेस्ट, सेमेस्टर के अंक और साल के अंत में होने वाली परीक्षाओं के जरिये होता है। ऐसे में यूजीसी चाहती है कि सालों से चले आ रहे इस सिस्टम में अब बदलाव होना चाहिए। इसके लिए ड्राफ्ट तैयार किया गया है, जिसमें लिखा गया है कि 70 फीसदी जो एसेसमेंट का काम है, वह क्रिएटिव तरीकों से होना चाहिए। इनमें ग्रुप डिस्कशन, पोस्टर मेकिंग, क्विज कॉम्पिटीशिन जैसे तमाम तरीके इस्तेमाल किए जा सकते हैं। बाकी का 30 फीसदी असेसमेंट पुराने तरीके से किया जा सकता है। अगर सारी यूनिवर्सिटीज राजी हुईं तो उनको यह विकल्प भी दिया जा सकता है कि यूनिट टेस्ट्स, सेमेस्टर एग्जाम और सालाना एग्जाम का सिस्टम भी खत्म कर सकते हैं। यूजीसी की इस योजना का यह ड्राफ्ट आखिरी चरण में है, बहुत जल्द यह योजना सार्वजनिक की जाएगी।

जामिया यूनिवर्सिटी में प्रवेश का मौका

जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी से अलग-अलग क्षेत्र के तमाम दिग्गज पढ़कर निकले हैं। अभी भी लाखों छात्रों का सपना होता है कि जामिया में एडमिशन मिले। हालांकि इस साल 4 नए कोर्स बढ़ रहे हैं और सीटें भी बढ़कर 6000 हो जाएंगी, फिर भी एडमिशन होना आसान बात नहीं। 25 मार्च तक आप जामिया के सभी अंडरग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एमफिल, पीएचडी आदि कोर्सेज के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए आप यूनिवर्सिटी के एडमिशन पोर्टल www.jmicoe.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। 18 अप्रैल से अलग-अलग कोर्सेज के लिए परीक्षा शुरू हो जाएगी। बीडीएस का एडमिशन नीट के आधार पर और इंजीनियरिंग में एडमिशन जेईई के आधार पर होगा। इस साल शुरू होने वाले चार नए कोर्स हैं- फॉरेन लैंग्वेजेज, हॉस्पिटल मैनेजमेंट एंड हॉस्पिटल स्टडी एन्वायर्नमेंटल साइंस और डिजाइन एंड इनोवेशन। परीक्षा केंद्र दिल्ली के अलावा, श्रीनगर, कालीकट, पटना, लखनऊ, कोलकाता और गुवाहाटी में रहेंगे। जामिया के कुल 260 कोर्सेज में आप आवेदन कर सकते हैं।

इग्नू से एमबीए और पीएचडी करने का मौका

अगर आप इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) से ओपन मैट एमबीए या पीएचडी करना चाहते हैं, तो आपके लिए यह अच्छा मौका है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने दोनों परीक्षाओं का कार्यक्रम तय कर दिया है। इस कार्यक्रम के मुताबिक, इच्छुक अभ्यर्थी 27 मार्च 2020 तक आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को होगी और एंट्रेंस टेस्ट के नतीजे 8 मई को घोषित कर दिए जाएंगे। आवेदन करने के लिए आप इग्नू के एग्जाम पोर्टल www.ignouexams.nta.nic.in को लॉग इन कर सकते हैं, उस पर खुद को रजिस्टर करने के बाद आवेदन कर सकते हैं। ओपन मैट की फीस सामान्य वर्ग के लिए 800 रुपये और पीएचडी में 1000 रुपये है।

आईआईएम इंदौर देगा यूपी पुलिस को ट्रेनिंग

आईआईएम इंदौर का यूपी पुलिस के साथ करार हुआ है और वह भी पूरे पांच साल का। इन पांच सालों में यूपी पुलिस का हुलिया बदलने के मूड में हैं आईआईएम इंदौर के एक्सपर्ट्स। जनवरी में साइन हुए इस करार के मुताबिक आईआईएम इंदौर यूपी पुलिस की मदद बीट सिस्टम और यूपी-112 पेट्रोलिंग सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए तो करेगा ही, यूपी के पांच बड़े शहरों के ट्रैफिक मैनेजमेंट को भी नई दिशा देगा। ये पांच शहर हैं लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और वाराणसी। लखनऊ के लिए तो खासतौर पर सीएम आवास से लेकर चार बाग तक एक वीआईपी रूट भी बनाने के लिए कहा गया है।

पूजा शर्मा

कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेज परीक्षा-2020

बड़े लक्ष्य की तैयारी भी हो बड़ी



छात्रों को मेडिकल का क्षेत्र हमेशा से लुभाता रहा है। कई ऐसी परीक्षाएं हैं, जिनके जरिये मेडिकल क्षेत्र में एक्सपर्ट की भर्ती होती है। कुछ बड़ी परीक्षाओं में से एक सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा (सीएमएस) भी है। यूपीएससी द्वारा आयोजित होने वाली इस परीक्षा के बाद केंद्र सरकार की प्रमुख सेवाओं जैसे रेलवे, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, हेल्थ सर्विस, सेंट्रल हेल्थ सर्विस और एमसीडी आदि में डॉक्टरों अथवा चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है। यह परीक्षा देश के 41 सेंटरों पर आयोजित की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया और परीक्षा दोनों ऑनलाइन होंगे।

एमबीबीएस की डिग्री जरूरी

इस परीक्षा में उच्च शिक्षा की भी दरकार होती है। इसमें वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से एमबीबीएस की लिखित व प्रायोगिक परीक्षा पास कर ली हो अथवा अंतिम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हों। इसके लिए उनकी अधिकतम आयु सीमा 32 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट मिलती है।

लिखित परीक्षा से जुड़ी जानकारी

इसमें लिखित परीक्षा दो पेपरों पर आधारित होती है तथा वह एक ही दिन आयोजित होती है। दोनों पेपरों में पूछे जाने वाले प्रश्न ऑब्जेक्टिव होते हैं। प्रश्नों का माध्यम अंग्रेजी ही होता है। पहला पेपर जनरल मेडिसिन व पीडिएट्रिक का होता है। इसमें कुल 120 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा कुल अंक 250 होता है। जनरल मेडिसिन से 96 प्रश्न तथा 24 प्रश्न पीडिएट्रिक्स से आते हैं। इसके लिए दो घंटे का समय दिया जाता है। जबकि दूसरा पेपर सर्जरी, गायनोकोलॉजी एंड ऑबस्ट्रैटिक्स व प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन पर आधारित होता है। यह पेपर भी 250 अंकों व दो घंटे का होता तथा इसमें कुछ 120 प्रश्न पूछे जाते हैं। यानी तीनों विषयों से 40-40 प्रश्न आते हैं।

तैयारी के 5 आवश्यक टिप्स

- सेलेबस को भलीभांति समझ लें
- किसी सेक्शन को कम न आंके
- नियमित अध्ययन को सफलता का मूलमंत्र बनाएं
- बाजार से प्रामाणिक सामग्री का ही चयन करें
- अंतिम दिनों में सिर्फ रिवीजन पर जोर दें

सिलेबस

मेडिकल क्षेत्र से संबंधित होने के कारण सीएमएस के सेलेबस पर पूरी तरह से मेडिकल एग्जाम की छाप होती है। ऐसे में तैयारी आरंभ करने से पहले उम्मीदवार सबसे पहले सेलेबस को भलीभांति देख लें। तैयारी का शेड्यूल कुछ ऐसा रखें कि उसमें सभी टॉपिक टच हो जाएं। यह भी कोशिश करें कि दो कठिन विषयों के बीच में एक आसान विषय शामिल रहे। इसमें से कई ऐसे टॉपिक होते हैं, जो स्कोरिंग होते हैं।

प्रतिदिन करते रहें रिवीजन

सेलेबस भलीभांति खत्म करने के बाद उम्मीदवारों को रिवीजन पर ध्यान देना चाहिए। यह तभी हो पाएगा, जब रेगुलर स्टडी के सहारे आगे बढ़ेंगे। सेलेबस खत्म होने के बाद ही रिवीजन का काम शुरू कर दें। रिवीजन के दौरान कोई नया टॉपिक लेकर न उलझें। हालांकि इस दौरान कुछ दिक्कतें आनी स्वाभाविक हैं, लेकिन उसके चलते तैयारी ठप न कर तत्काल किसी एक्सपर्ट से समाधान तलाशें।

रिवीजन के बाद मॉक टेस्ट की बारी

परीक्षा ऑनलाइन होने के कारण इसमें मॉक टेस्ट की काफी उपयोगिता है, खासकर ऑनलाइन मॉक टेस्ट की। क्योंकि इससे पूरा पैटर्न पता चल जाएगा। कोशिश करें कि हफ्ते में दो मॉक दे सकें। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब तैयारी और रिवीजन की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो जाए। मॉक टेस्ट देते समय टाइम मैनेजमेंट का पूरा ख्याल रखें।

निगेटिव मार्किंग से सावधान रहें

निगेटिव मार्किंग का प्रावधान होने के कारण गलत उत्तर दिए जाने पर एक-तिहाई अंक काट लिए जाएंगे। इसलिए उम्मीदवार उन्हीं प्रश्नों का उत्तर दें, जिनका जवाब उन्हें सही तरीके से मालूम हो। प्रश्न न आने की स्थिति में उन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर उन्हें दोबारा देख लें। हो सकता है कि छोड़े गए प्रश्नों में से कुछ का जवाब उन्हें पता चल जाए।

100 अंकों का होगा पर्सनैलिटी टेस्ट

यदि उम्मीदवार ने लिखित परीक्षा में सफलता हासिल कर ली है तो उसका सामना अगले चरण यानी पर्सनैलिटी टेस्ट से होना है। यह टेस्ट 100 अंकों का होगा। इसमें उम्मीदवार से करेंट अफेयर्स, एकेडमिक करियर, देश-विदेश की हलचलों और विभिन्न विषयों पर उनकी हाजिर जवाबी से संबंधित प्रश्न पूछा जाता है। **प्रस्तुति -संजीव कुमार सिंह**

ऑनलाइन परीक्षा की तिथि- 19 जुलाई 2020

महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि- 28 अप्रैल 2020

परीक्षा : एक नजर

पेपर-एक

सेक्शन	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समय
जनरल मेडिसिन	96	250	दो घंटे
पीडिएट्रिक्स	24	–	–
कुल	120	250	दो घंटे

पेपर-दो

सेक्शन	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समय
सर्जरी	40	250	दो घंटे
गाइनोकोलॉजी एंड आबस्ट्रैटिक्स	40	–	–
प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन	40	–	–
कुल	120	250	दो घंटे

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व अधिक जानकारी के लिए यूपीएससी की वेबसाइट www.upsconline.nic.in विजिट करें।

MAGAZINE KING



पढ़ाई के ऑनलाइन मौके

MAGAZINE KING

इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी इतनी आसान कर दी है कि अब एक क्लिक पर दुनियाभर की तमाम जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। इस वेब वर्ल्ड में छात्रों के अध्ययन में मदद करने के लिए भी ढेरों वेबसाइट मौजूद हैं। आप भी इंटरनेट के माध्यम से अपनी पढ़ाई में मदद ले सकते हैं।

- www.vidyarthy.com

यहां करियर सलाह के लिए करियर काउंसलर भी मौजूद हैं। इसके अलावा इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और करियर से संबंधित अन्य सभी जानकारियां और उनसे जुड़े इंस्टीट्यूट्स के बारे में सूचनाएं दी गई हैं। देश की सभी प्रमुख यूनिवर्सिटीज के रेगुलर कोर्स, कॉरेस्पॉन्डेंस कोर्स और पार्ट टाइम कोर्स के बारे में भी बेहद उपयोगी जानकारी है। विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों के लिए टॉफेल, जीआरई के बारे में जानकारी है। इन सबके अलावा ऑनलाइन टेस्ट और एग्जाम अपडेट भी यहां उपलब्ध हैं।

- www.howstuffworks.com

इस वेबसाइट में सभी विषयों से संबंधित काफी अहम जानकारियां हैं। साइंस सेक्शन में क्लिक करने पर जहां कोर्स के अलावा नए आविष्कारों के बारे में पता चलेगा, वहीं हिस्ट्री और ज्योग्राफी के सेक्शन में दिलचस्प आंकड़ों से रूबरू होंगे। इंग्लिश में ग्रामर को भी बेहद मनोरंजक तरीके से समझाया गया है। इस सबके अलावा नई तकनीक की भी जानकारी इस वेबसाइट से मिलती है। साथ ही वेबसाइट के एडवेंचर सेक्शन में कई तरह के एडवेंचरस गेम्स और फैक्ट्स के बारे में भी जानकारी दी गई है।

- www.timeforkids.com

यह वेबसाइट सभी वर्ग के छात्रों के लिए उपयोगी है। प्राइमरी क्लास के बच्चों से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक के छात्रों के लिए यहां पर तमाम तरह की उपयोगी जानकारी उपलब्ध है। यह साइट सभी छात्रों के लिए उपयोगी लगती है। इस वेबसाइट के प्रमुख सेक्शन हैं– न्यूज, किड रिपोर्टर, अराउंड द वर्ल्ड, होमवर्क हेल्पर, फोटो एंड वीडियो, साइंस, सोशल साइंस, गेम्स, एंटरटेनमेंट आदि। होमवर्क सेक्शन आपके लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। इसमें आप चंद सेकेंड में अपनी समस्या का हल पा सकते हैं।

- www.ipl.org/div/projectguide

आमतौर पर छात्रों को साइंस प्रोजेक्ट बनाते समय काफी दिक्कत पेश आती है। यह साइट ऐसी ही समस्याओं का हल लेकर आई है। इसमें आप आसानी से भौतिकी, रसायन व जीव विज्ञान से संबंधित किसी भी प्रोजेक्ट के लिए आसान निर्देश पाते हैं। साइंस फेयर प्रोजेक्ट रिसोर्स गाइड सेक्शन के तहत इस वेबसाइट पर प्रोजेक्ट से संबंधित काफी जानकारियां उपलब्ध हैं। इस वेबसाइट में कई नए-नए आइडिया भी मौजूद हैं।

- www.socialstudiesforkids.com

यह वेबसाइट सोशल स्टडीज को काफी दिलचस्प तरीके से समझने में मदद करती है। यहां सभी तथ्यों को बेहद आसान और रोचक तरीके से बताया गया है। यह वेबसाइट सभी छात्रों के लिए उपयोगी है। विभिन्न सेक्शंस में हिस्ट्री, ज्योग्राफी, इकोनॉमिक्स, करंट अफेयर्स, जनरल नॉलेज आदि से संबंधित संपूर्ण जानकारी दी गई है, जो बेहद उपयोगी और कारगर है।

- www.biography.com

यह वेबसाइट पूरी तरह से बायोग्राफी पर ही फोकस्ड है। मशहूर खिलाड़ी हों या फिल्मी हीरो, आप यहां सभी की बायोग्राफी पढ़ सकते हैं। इतना ही नहीं, इस वेबसाइट में दिलचस्प तरीके से बायोग्राफी लिखने के तरीके भी बताए गए हैं। इन टिप्स को अपना कर अपनी राइटिंग स्किल को निखार सकते हैं और चाहें तो भविष्य में बेहतर बायोग्राफी लिखने के एक्सपर्ट भी बन सकते हैं।



वुड टेक्नोलॉजी

नए जमाने का उभरता करियर

इंटीरियर डेकोरेशन से लेकर आउटडोर डेकोरेशन तक हर जगह एक से बढ़ कर एक वुडन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। वुडन प्रोडक्ट्स के बढ़ते इस्तेमाल ने उनकी क्वालिटी बेहतर करने, उन्हें बेहतर डिजाइन देने और उनके सही इस्तेमाल के तरीकों के बारे में बताने के लिए बेहतर विशेषज्ञों की जरूरत पैदा कर दी है। कारपेंटर के साधारण हाथों से काफी आगे बढ़ते हुए वुडन प्रोडक्ट्स ने एक्सपर्ट टेक्निकल हाथों को थाम लिया है।

MAGAZINE KING

वुडन प्रोडक्ट्स की क्वालिटी सुधारने और उनके अच्छे डिजाइन व अच्छे इस्तेमाल के लिए काफी रिसर्च की जरूरत होती है। इन रिसर्च को कोई एक्सपर्ट ही कर सकता है और एक्सपर्ट बनने के लिए इसमें ट्रेनिंग की आवश्यकता होती है। वुडन प्रोडक्ट्स के तेजी से बढ़ रहे इस्तेमाल ने इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की काफी जगह पैदा कर दी है। जरूरत के अनुपात में काफी कम वुड टेक्नोलॉजिस्ट मौजूद हैं।

ऐसे में यह क्षेत्र युवाओं के करियर के लिहाज से काफी आकर्षक, क्रिएटिव और सुरक्षित साबित हो सकता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप अपनी क्रिएटिविटी और काबिलीयत के दम पर काफी कम समय में अच्छा नाम और पैसा कमा सकते हैं।

वुड टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण

वुड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में वुड के बारे में काफी गहराई से प्रशिक्षण दिया जाता है। लकड़ी, प्लाई, बांस आदि की वैरायटी की जानकारी दी जाती है। वुडन प्रोडक्ट्स का रख-रखाव कैसे करना चाहिए, उनकी लाइफ कैसे बढ़ाई जाए, मजबूती बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए, आग और पानी से उन्हें कैसे बचाया जा सकता है, क्वालिटी सुधारने के लिए क्या करना चाहिए, वुड का कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है, कैसे बेहतर डिजाइन बनाए जा सकते हैं, ऐसी सभी बातों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। हालांकि विदेशों में वुड टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री भी कराई जाती है, लेकिन भारत में अभी यह पाठ्यक्रम थोड़ा नया है, इसलिए यहां कुछ गिने-चुने संस्थानों में ही मास्टर डिग्री और पीजी डिप्लोमा लेवल के कोर्स कराए जा रहे हैं।

योग्यता

वुड साइंस या वुड टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट और पीजी डिप्लोमा स्तर के कोर्स में नामांकन के लिए फॉरेस्ट्री या इंजीनियरिंग या साइंस स्ट्रीम में न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ बैचलर डिग्री होना अनिवार्य है।

प्रवेश प्रक्रिया

वुड टेक्नोलॉजी में कोर्स कराने वाले अधिकतर संस्थान प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन करते हैं। प्रवेश परीक्षा में मेरिट के आधार पर ही छात्रों को दाखिला मिलता है।

आवश्यक स्किल्स

- क्रिएटिव होना अति आवश्यक
- मैटीरियल साइंस की अच्छी नॉलेज
- नए-नए डिजाइन और टेक्नोलॉजी से अपडेट रहें
- स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग का ज्ञान

सैलरी

वुड टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा या पीजी करने के बाद बतौर ट्रेनी शुरुआत करने पर 15–20 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी मिल जाती है। अच्छी जगह नौकरी मिलने पर 25-30 हजार रुपये प्रतिमाह भी मिल जाते हैं।

तीन-चार साल के अनुभव के बाद किसी भी अच्छे वुड टेक्नोलॉजिस्ट को 50-70 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से मिलने लगते हैं। अनुभव बढ़ने और काम में एक्सपर्ट होने पर सैलरी ग्रोथ तेजी से होती है। वुड टेक्नोलॉजी में कोर्स करने के बाद चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू किया जा सकता है और बेहतर काम करके मनचाही आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

अन्य प्रमुख संस्थान

- इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन www.icfre.gov.in
- इंडियन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, www.ipirti.gov.in
- फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, देहरादून http://fri.icfre.gov.in
- इंडियन एकेडमी ऑफ वुड साइंस www.iaws.org.in
- इंस्टीट्यूट ऑफ वुड टेक्नोलॉजी, कानपुर यूनिवर्सिटी, कानपुर www.kanpuruniversity.org
- इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, www.iwst.icfre.gov.in

प्रमुख कोर्स

- पीजी डिप्लोमा इन वुडन टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन वुड एंड पैनल प्रोडक्ट्स टेक्नोलॉजी
- पोस्ट ग्रेजुएट इन वुडन टेक्नोलॉजी
- एमएससी इन वुडन साइंस एंड टेक्नोलॉजी